साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें ...
संपर्क करे- 9425156055
वर्ष-10 अंक-25 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 31 जुलाई 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

MPLRC 176-3 - आपकी कृषि भूमि कब राज्य सरकार के खाते में निहित हो जाएगी, जानिए

Madhya Pradesh Land Revenue Code, 1959 Section 176 Sub-section 03

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

जब किसी व्यक्ति की भूमि पर तहसीलदार विधिक तौर पर कब्जा कर लेता है एवं कब्जा के तीन साल तक भूमि का स्वामी दावा नहीं करता है, तब कृषि भूमि तहसीलदार की घोषणा उपरांत राज्य सरकार की संपत्ति में निहित हो जाएगी जानिए कानूनी प्रावधान।सरकारी समाचार

मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता,1959 की धारा 176 की उपधारा 03 की परिभाषा

जहाँ कोई व्यक्ति तहसीलदार की कब्जा भूमि पर निर्धारित समय सीमा तक दावा-आपत्ति नहीं करता है या कोई दावा-आपत्ति ना मंजूर हो जाता है और उस पर अपील भी नहीं होती तब तहसीलदार से प्रतिवेदन प्राप्त होने पर उपखण्ड अधिकारी (एसडीओ) जाँच करने के उपरांत उस खाते को परित्यक्त घोषित करते हुए आदेश करेगा कि वह खाता ऐसी तारीख से जो उस आदेश में विनिर्दिष्ट की जाए राज्य सरकार में पूर्ण रूप से निहित हो जाएगा।

जानने योग्य जानकारी-

÷यहाँ आपको एक बात याद रहे मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता की धारा 57 भी कहती हैं कि राज्य की समस्त भूमि पर राज्य सरकार का स्वामित्व होता है और संविधान संशोधन द्वारा अनुच्छेद 31 जो संपति का मूल अधिकार था उसे हटा दिया है अब संपत्ति का अधिकार सिर्फ कानूनी अधिकार रहा है।

भारत का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन ग्वालियर में होगा स्थापितः मुख्यमंत्री यादव

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। भारत सरकार के संचार मंत्रालय और मध्यप्रदेश सरकार के बीच ग्वालियर में ग्लोबल टेलीकॉम मैन्यूफैक्चरिंग हब एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन निर्माण के लिए नई दिल्ली में हुआ एमओयू ऐतिहासिक कदम है। अब मध्यप्रदेश की धरती पर निर्मित संचार उपकरण देश-दुनिया को उपलब्ध होंगे। ये उपकरण मेक इन इंडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री मोदी के फेथ इन मध्यप्रदेश का जरिया बनेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योगपतियों के साथ हुई राउंड टेबल मीटिंग में 3500 करोड़ रूपये के निवेश तथा 14 हजार से अधिक रोजगार सृजन की संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन के एमओयू हस्ताक्षर समारोह को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा केंद्रीय संचार राज्य मंत्री श्री पी.एस. चंद्रशेखरन भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश वह राज्य है, जिस पर देश और दुनिया का विश्वास बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्वालियर की धरती पर ग्लोबल टेलीकॉम मैन्यूफैक्चरिंग जोन के रूप में एक नए दौर की शुरुआत हो रही है। आज भारत डिजिटल टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक मेन्यूफैक्चरिंग, डिफेंस सेक्टर में नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। ग्वालियर में ग्लोबल टेलीकॉम मैन्यूफैक्चरिंग जोन की शुरुआत से निर्यात बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था को नई दिशा

मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में टेलीकॉम सेक्टर के माध्यम से स्मार्ट एआई मेन्यूफैक्चरिंग, डिफेंस, हेल्थ और गुड गवर्नेंस के क्षेत्र में आधारशिला तैयार हो चुकी है। आज देश में आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नेटवर्क से टेलीकॉम सेक्टर को नई ऊंचाइयां मिली हैं। ग्वालियर अंचल को ग्लोबल टेलीकॉम मैन्यूफैक्चरिंग जोन की सौगात मिलना सोने पर सुहागा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित टेलीकॉम सेक्टर के निवेशकों को ग्वालियर में निवेश करने का आमंत्रण दिया। उन्होंने निवेशकों को भरोसा दिलवाया कि जो देश में कहीं नहीं मिलेगा, वो मध्यप्रदेश में निश्चित रूप से मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि औद्योगिक विकास में तेज गति से विकास के लिए मध्यप्रदेश की अलग ही धाक बनी है। प्रदेश की संस्कृति गौरवशाली है। इसमें कोहिनूर के हीरे की तरह ग्वालियर का विशेष महत्व है। यहां 170 एकड़ क्षेत्र में प्लग एंड प्ले मोड पर बनने वाले देश के पहले टेलीकॉम मैन्यूफैक्चरिंग जोन का इंटीग्रेडेट इकोसिस्टम स्थापित होगा। इस जोन में डिजाइन से टेस्टिंग तक मैन्यूफेक्चरिंग से डेवलपमेंट तक सर्टिफिकेशन से एक्सपोर्ट तक भविष्य की वैल्यू चेन का निर्माण होगा।

देश में 5जी, 6जी उपकरण, ऑप्टिकल फायबर उपकरण, सेमीकंडक्टर उपकरण, डिवाइस नेटवर्किंग उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर मिलेगा। साथ ही इंजीनियरिंग सर्विसेस, लॉजिस्टिक, वेयर हाउसिंग, तकनीकी संस्थानों के साथ उत्तर भारत का नया केंद्र बनेगा।

मध्यप्रदेश को मिली हैं 5 बड़ी परियोजनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हीरे की पहचान जौहरी को होती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश को 5 बड़ी परियोजनाओं की सौगात दी है। भारत का सबसे बड़ा पीएम मित्र पार्क धार जिले में बनाया जा रहा है। यह कपास उत्पादक किसानों और टेक्सटाइल सेक्टर की बड़ी उपलब्धि है।

BNS271 - संक्रामक रोग फैलाने वाले व्यक्ति पर क्या कार्रवाई होगी, जानिए

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

संक्रामक रोग वायुमंडल (हवा) के माध्यम से किसी अन्य व्यक्तियों में फैलता है, सामान्य शब्दों मे कह सकते हैं कि इस रोग को फैलाने के लिए किसी व्यक्ति का रोगी के संपर्क में आना आवश्यक नहीं है हवा के माध्यम से ये संक्रमण रोग फैलते है जैसे कि कोरोना, हैजा, प्लेग आदि अर्थात संक्रामक रोग होते हैं, जो हवा द्वारा फैलते है। अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर इन रोगों फैलाता है तब उसके खिलाफ नए कानून में किस धारा के अंतर्गत मामला दर्ज होगा।

भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 271 की परिभाषाज

जो कोई व्यक्ति उपेक्षापूर्ण ,लापरवाही द्वारा जानते हुए कोई संक्रामक रोग फैलाता है जिससे कि किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को शारीरिक क्षति होने की संभावना हो या जिसके कारण कोई संकटपूर्ण स्थिति बनने वाली हो तब येसा व्यक्ति भारतीय न्याय संहिता की धारा 271 के अंतर्गत दोषी होगा।

इस अपराध के अवश्यक तत्व:- 1. व्यक्ति स्वयं किसी संक्रमण रोग से पीड़ित होना चाहिए ।

2. उसने जानबूझकर कर इस रोग को किसी अन्य व्यक्ति में फैलाया हो।

3. उसके कारण किसी अन्य व्यक्ति को क्षति हुई हो। •THE BHARATIYA NYAYA SANHITA, 2023,SECTION 271 PROVISION OF PUNISHMENT•

इस धारा के अपराध संज्ञेय एवं जमानतीय होते हैं अर्थात पुलिस थाने में इस अपराध की एफआईआर दर्ज होगी एवं कार्यवाही कर के आरोपी को जमानत पर छोड़ सकती है। इस अपराध की सुनवाई किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जा सकती है एवं यह समझौता योग्य नहीं है अर्थात? राजीनामा नहीं किया जा सकता है। इस धारा के अपराध के लिए अधिकतम छ: माह की कारावास या जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

सीजेपी प्रवक्ता रत्ना सिंह का दावा– मौत की धमकियां और अभद्र संदेश मिल रहे

नई दिल्ली।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की प्रवक्ता रत्ना सिंह ने दावा किया है कि उन्हें सोशल मीडिया पर लगातार धमकियां, अभद्र भाषा वाले संदेश और नफरत भरी टिप्पणियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान और उसके बाद उनके डायरेक्ट मैसेज (डीएम) ऐसे संदेशों से भरे हुए हैं, लेकिन अब इस तरह की प्रतिक्रियाएं उन्हें विचलित नहीं करतीं। रत्ना सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि उनके इनबॉक्स में मौत की धमकियों, गाली-गलौज और नफरत से भरे संदेशों की लगातार बाढ़ आ रही है। उन्होंने कहा कि कोई भी आलोचना या व्यक्तिगत हमला उस उद्देश्य से बड़ा नहीं हो सकता, जिसके लिए उन्होंने और उनके साथियों ने संघर्ष किया है। उन्होंने यह भी लिखा कि कोई भी समझदार व्यक्ति ऐसी बातें नहीं कहेगा, जिन्हें वह स्वयं अपने लिए सुनना पसंद न करे। सीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि इस आंदोलन ने उन्हें मानसिक रूप से अधिक मजबूत बनाया है। उनके अनुसार, इस अनुभव ने उन्हें सिखाया है कि कठिन परिस्थितियों, विरोध और नकारात्मक प्रतिक्रियाओं के बीच भी अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहना चाहिए तथा नफरत को नजरअंदाज करते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

जमीनी अनुभव ही बनेंगे सेवा सुधार की नई दिशा

राज्य स्तरीय विचार-मंथन में आयुक्त ने किया संवाद

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों के सुदृढ़ीकरण एवं रूपांतरण के उद्देश्य से मंगलवार को संचालनालय, महिला एवं बाल विकास, भोपाल में राज्य स्तरीय विचार-मंथन (ब्रेनस्टॉर्मिंग) कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रदेश के सभी संभागों से चयनित सक्रिय, नवाचारी एवं कार्य के प्रति समर्पित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग की आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर उनके अनुभव, सुझाव, नवाचार और जमीनी चुनौतियों को विस्तार से सुना। आयुक्त ने कहा कि इस कार्यशाला में शामिल लगभग 90 प्रतिशत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उच्च शिक्षित हैं। मध्यप्रदेश की आंगनवाड़ी व्यवस्था अब नई ऊर्जा, आधुनिक सोच और दक्ष मानव संसाधन के साथ बदलाव के दौर में प्रवेश कर चुकी है। इस कार्यशाला से उच्च शिक्षित कार्यकर्ताओं की भागीदारी से विभाग को जमीनी स्तर पर गुणवत्तापूर्ण सुझाव प्राप्त किये जायेंगे, जो भविष्य की नीतियों और सुधारों का आधार बनेंगे। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता केवल योजनाओं का क्रियान्वयन करने वाली कर्मी नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास, मातृ स्वास्थ्य, पोषण और सामाजिक जागरूकता की सबसे सशक्त कड़ी हैं। आयुक्त सुश्री निधि निवेदिता ने कहा कि विकसित बचपन ही विकसित मध्यप्रदेश की नींव है और इस लक्ष्य की सबसे महत्वपूर्ण भागीदार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। विभाग की प्रत्येक नई पहल, प्रशिक्षण व्यवस्था और तकनीकी सुधार उनके अनुभवों एवं सुझावों को केंद्र में रखकर तैयार किए जाएंगे।राज्यस्तरीय विचार-मंथन का उद्देश्य केवल चर्चा करना नहीं, बल्कि मैदानी स्तर पर कार्य कर रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की क्षमताओं चुनौतियों प्रशिक्षण आवश्यकताओं, स्थानीय नवाचारों तथा सेवा प्रदायगी में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं को संवेदनशीलता से समझना है। इन्हीं अनुभवों के आधार पर विभाग भविष्य के क्षमता निर्माण कार्यक्रम, प्रशिक्षण मॉड्यूल,

डिजिटल संसाधनों और सेवा प्रदायगी प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं व्यवहारिक बनाएगा। संवाद के दौरान कार्यकर्ताओं ने पोषण पुनर्वास, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा समुदाय की सहभागिता, डिजिटल तकनीकों के उपयोग, बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने, स्थानीय नवाचारों तथा कुपोषण उन्मूलन से जुड़े अनेक सफल प्रयोग साझा किए। कई कार्यकर्ताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक चुनौतियों और उनके समाधान के व्यावहारिक सुझाव भी दिये। आयुक्त ने नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में विकसित उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों का संकलन कर उन्हें पूरे राज्य में मॉडल के रूप में लागू किया जाएगा।आयुक्त ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र को ऐसा बाल-अनुकूल, स्वच्छ, सुरक्षित, सीखने योग्य और समुदाय-केंद्रित केंद्र बनाया जाए, जहाँ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा, बेहतर पोषण और समग्र विकास का अनुकूल वातावरण उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य आंगनवाड़ी केंद्रों को केवल सेवा वितरण इकाई नहीं, बल्कि परिवारों और समुदाय के विश्वास का सशक्त केंद्र बनाना है।आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने साझा किये अपने अनुभव आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शर्मीला ठाकुर ने बताया कि देवास जिले में नगर पालिका के सभापति ने आंगनवाड़ीयों को एडॉप्ट किया, बच्चों को यूनिफार्म दी, किशोरियों में कौशल विकास का प्रशिक्षण कार्य भी कराया।आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शोभा ठाते ने केंद्र में सहजन के पेड़ लगाये, जो पोषण में काम आ रहे हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उनकी फलियों के बदले में समुदाय से पोषण वाटिका के लिये बीज इत्यादि प्राप्त कर रही है। मुरैना के नावली 194 आंगनवाड़ी केंद्र पर स्थानीय स्व-सहायता समूहों से बच्चों को यूनिफार्म, जूते, टेबल कुर्सी आदि प्राप्त हुए, रोज केंद्र पर लगभग 30-35 बच्चों की उपस्थित होती है।

ब्रिक्स देशों का संस्कृति सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्री एवं प्रतिनिधि शामिल होंगे

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्रिक्स सम्मेलन आगामी 5 अगस्त से 8 अगस्त तक भोपाल में आयोजित होगा, इसमें ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्री और प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। ब्रिक्स देशों के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी की जाएगी। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने कमिश्नर कार्यालय में सम्मेलन की तैयारियां की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर संचालक संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार प्रियंका चंद्र (वी.सी के माध्यम से), कलेक्टर भोपाल प्रियंक मिश्रा, स्मार्ट सिटी सीईओ अंजू अरूण कुमार, पुरातत्व विभाग, संस्कृति विभाग, एमएचएआई सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि सम्मेलन की सभी व्यवस्थाएं भारत की संस्कृति, गौरव एवं परम्परा के अनुरूप उत्कृष्ट हों। उन्होंने माइक्रो प्लानिंग पर जोर देते हुए केन्द्र एवं राज्य शासन के सभी अधिकारियों को पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन में 5 अगस्त को ब्रिक्स देशों की तकनीकी समितियों की मिंटो हॉल में बैठक होगी। सायंकाल सदस्यगण इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का भ्रमण करेंगे। 6 अगस्त को पुनः ब्रिक्स देशों की तकनीकी समितियों की मिंटो हॉल में बैठक होगी. सायंकाल रवीन्द्र भवन में ब्रिक्स कल्चरल फेस्टीवल में ब्रिक्स देशों के कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां होंगी। 7 अगस्त को ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों का आगमन होगा और उसके पश्चात वे भोपाल में ट्राइबल म्यूजिनियम, वन विहार एवं राज्य संग्रहालय का भ्रमण करेंगे। शाम 5 बजे से 7 बजे तक रवीन्द्र भवन में ब्रिक्स कल्चरल फेस्टीवल एवं कल्चरल शो का आयोजन किया जाएगा। 8 अगस्त को प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों की कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में बैठक होगी। अपराह्न में सांची स्तूप का भ्रमण प्रस्तावित है।

भारत की हाइड्रोजन ट्रेन की कहानी तीन हज़ार लीटर डीज़ल के धुएँ की जगह केवल जलवाष्प का उत्सर्जन

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को 17 जुलाई, 2026 को दिल्ली क्षेत्र में जींदङ्कसोनीपत रेलखंड पर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। अब तक यह ट्रेन 1,200 किलोमीटर से अधिक की सफल यात्रा पूरी कर चुकी है, जिससे 3,200 लीटर से अधिक डीज़ल की बचत हुई है। यह हाइड्रोजन ट्रेन हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के बीच होने वाली रासायनिक अभिक्रिया से ट्रेन के भीतर ही बिजली उत्पन्न करती है। इस प्रक्रिया से ट्रेन को चलाने के लिए आवश्यक विद्युत ऊर्जा प्राप्त होती है तथा उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प निकलती है। इसमें न धुआँ निकलता है और न ही टेलपाइप से कार्बन उत्सर्जन होता है, जिससे यह वर्तमान में उपलब्ध रेल प्रणोदन की सबसे स्वच्छ तकनीक बन जाती है। यह परियोजना भारतीय रेल के नेतृत्व में विकसित एक पूर्णतः स्वदेशी पहल है। 10 कोच वाली इस ट्रेन में दो हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार हैं, जो संयुक्त रूप से 2,400 किलोवाट शक्ति प्रदान करती हैं। इसके साथ लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियाँ तथा हाइड्रोजन सिलेंडर भी लगाए गए हैं। इस

परियोजना के तहत जींद में भारतीय रेल की पहली समर्पित हाइड्रोजन भंडारण सुविधा स्थापित की गई है। यहाँ 500 Bar तक के दाब पर ग्रीन हाइड्रोजन का भंडारण तथा 350 Bar के दाब पर ईंधन भरने की व्यवस्था है। इस सुविधा की कुल भंडारण क्षमता लगभग 3,000 किलोग्राम है। ट्रेन में सुरक्षा के लिए अनेक स्वतंत्र प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं, जो हाइड्रोजन रिसाव, अधिक तापमान, आग और धुएँ का स्वतः पता लगाती हैं। इनके साथ स्वचालित शट-ऑफ सिस्टम, निरंतर वेंटिलेशन, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों का अनुपालन तथा सभी अनिवार्य परीक्षण और सत्यापन भी सुनिश्चित किए गए हैं। जींद-सोनीपत रेलखंड पर सफल परिचालन के बाद जल्द ही इसका परीक्षण दिल्ली मार्ग पर भी प्रारंभ किया जाएगा।भारत की हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि स्वदेशी हाइड्रोजन रेल इकोसिस्टम की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना सतत, शून्य-उत्सर्जन रेल परिवहन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है तथा भविष्य में इसके व्यापक विस्तार और स्वच्छ परिवहन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की मजबूत आधारशिला रखती है।

चौदह लाख का पच्चीस क्विंटल घी जप्त, दो प्रतिष्ठानों पर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा, मध्यप्रदेश एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन भोपाल द्वारा मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत आज दो अलग-अलग प्रतिष्ठानों पर सघन निरीक्षण एवं छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान लगभग 25 क्विंटल (करीब 2,438 किलोग्राम) घी, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य लगभग ?14 लाख है, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 38 के अंतर्गत जप्त कर सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया। पहली कार्रवाई प्रोस्पेरिटी टेक, शॉप नं. 4 एवं 5, पंचवटी कॉलोनी, फेज-2, करोंद, भोपाल पर की गई। यहां व्यवसायी श्री सूरज पांडे के प्रतिष्ठान से गोवर्धन धौलपुर फ्रेश देसी घी की 15 किलोग्राम, 5 किलोग्राम, 1 किलोग्राम एवं

500 ग्राम पैकिंग सहित लगभग 10 क्विंटल (938 किलोग्राम) घी बरामद हुआ, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य लगभग ?5.50 लाख है। प्रथम दृष्टया मिलावट की आशंका होने पर संपूर्ण स्टॉक जप्त किया गया। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि प्रतिष्ठान पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत आवश्यक खाद्य लाइसेंस उपलब्ध नहीं था तथा प्रतिष्ठान परिसर में लाइसेंस प्रदर्शित भी नहीं किया गया था, जिसके संबंध में पृथक वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ की गई है। दूसरी कार्रवाई नर्मदा सेल्स कॉरपोरेशन, प्लॉट नं. 3, रसालखेड़ी, नियर निर्मल मैरिज गार्डन, विदिशा रोड, भनपुर, भोपाल पर प्राप्त सूचना के आधार पर की गई। यहां द्वारकेश घी, शगुन घी, गोवर्धन घी एवं भूमि घी का लगभग 15 कुंतल (करीब 1,500 किलोग्राम) स्टॉक पाया गया। प्रथम दृष्टया मिलावट एवं खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियमों के उल्लंघन की आशंका होने पर उक्त स्टॉक को धारा 38 के अंतर्गत जप्त कर सुरक्षित रखा गया। जप्त घी का अनुमानित बाजार मूल्य ?8,51,351 है। इस प्रतिष्ठान से विभिन्न ब्रांडों के कुल 10 नमूने जांच हेतु लिए गए। दोनों प्रतिष्ठानों से लिए गए नमूनों को राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। प्रयोगशाला की विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत यदि खाद्य पदार्थ निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाते हैं अथवा मिलावट अथवा अन्य उल्लंघन प्रमाणित होते हैं, तो संबंधित खाद्य व्यवसायियों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। संपूर्ण कार्रवाई मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा संपन्न की गई। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। मिलावटी एवं अमानक खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण एवं विक्रय करने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर रन फॉर टाइगर का भव्य आयोजन छः सौ नागरिकों ने लगाई बाघ संरक्षण की दौड़

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश, जिसे देश के ÷टाइगर स्टेट%% के रूप में जाना जाता है, में बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध जैव विविधता, स्वस्थ वनों और प्राकृतिक विरासत का प्रतीक है। बाघों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि हमारे वन, जल-स्रोत और पारिस्थितिकी तंत्र स्वस्थ एवं संतुलित हैं। इन्हीं मूल्यों को समाज तक पहुँचाने तथा आमजन में बाघ संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के उपलक्ष्य में बाघ सप्ताह-2026 के अंतर्गत रविवार को भोपाल में ÷रन फॉर टाइगर%% का आयोजन किया गया।आयोजन वन विभाग द्वारा किया गया, जिसमें लगभग 600 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें स्कूली विद्यार्थी, युवा, महिलाएँ, वरिष्ठ नागरिक, पर्यावरण प्रेमी, वन अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे। यह जन-भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि वन्यजीव संरक्षण अब केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व बनता जा रह है। 5 किलोमीटर की दौड़ वन भवन से प्रारंभ होकर निर्धारित मार्ग से होते हुए पुनः वन भवन पर सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान मुख्य वन संरक्षक

एवं वन बल प्रमुख श्री शुभरंजन सेन तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक डॉ. समीता राजोरा सहित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख शुभरंजन सेन ने कहा कि बाघ हमारे वनों के सर्वोच्च शिकारी हैं और उनकी उपस्थिति पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के स्वस्थ होने का संकेत देती है। यदि बाघ सुरक्षित हैं तो इसका अर्थ है कि हमारे जंगल, वनस्पति, जल-स्रोत और हजारों अन्य वन्यजीव भी सुरक्षित हैं। इसलिए बाघ संरक्षण केवल एक प्रजाति की रक्षा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण प्रकृति और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास है। उन्होंने सभी धावकों से आह्वान किया कि वे ÷बाघ संरक्षण के एम्बेसडर÷ बनकर अपने परिवार, मित्रों और समाज में वन एवं वन्यजीव संरक्षण का संदेश पहुँचाएँ। प्रत्येक प्रतिभागी यदि अपने आसपास के लोगों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाने का संकल्प ले, तो यह जागरूकता लाखों लोगों तक पहुँच सकती है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक डॉ. समीता राजोरा ने कहा कि बाघ संरक्षण की वास्तविक सफलता तब मिलेगी जब स्थानीय समुदाय, विशेषकर वन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोग, इस अभियान के साझेदार बनेंगे। इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस की थीम भी यही संदेश देती है कि स्थानीय एवं आदिवासी समुदायों को केंद्र में रखकर ही बाघों का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि %रन फॉर टाइगर% केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि समाज को प्रकृति के साथ जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम है। जब बच्चे, युवा, महिलाएँ और वरिष्ठ नागरिक एक साथ बाघ संरक्षण के लिए दौड़ते हैं, तो यह संदेश दूर-दूर तक पहुँचता है कि वन्यजीवों का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि %रन फॉर टाइगर% केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि समाज को प्रकृति के साथ जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम है। जब बच्चे, युवा, महिलाएँ और वरिष्ठ नागरिक एक साथ बाघ संरक्षण के लिए दौड़ते हैं, तो यह संदेश दूर-दूर तक पहुँचता है कि वन्यजीवों का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रतियोगिता को चार आयु वर्गों-जूनियर (18 वर्ष से कम), वेटरन्स (19-45 वर्ष), सीनियर वेटरन्स (45-60 वर्ष) तथा सीनियर सिटीजन (60 वर्ष से अधिक)- में आयोजित किया गया। प्रत्येक वर्ग के पुरुष एवं महिला विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। 12 वर्ष तक के बच्चों को भी सांत्वना पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया।

24 घंटे में गुमशुदा नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद, बिजुरी पुलिस ने परिजनों को सौंपा

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर/बिजुरी। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देशन में जिले में गुमशुदा बच्चों की तलाश के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बिजुरी पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए महज 24 घंटे के भीतर एक गुमशुदा नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। बालिका की सकुशल वापसी से परिवार में खुशी का माहौल है और परिजनों ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

जानकारी के अनुसार 26 जुलाई को बालिका के पिता अपने परिजनों के साथ बिजुरी थाना पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई कि 25 जुलाई की सुबह परिवार खेत में काम करने गया था, जबकि उनकी नाबालिग बेटी घर पर दादी के साथ थी। शाम को लौटने पर बालिका घर से लापता मिली। परिजनों ने मोहल्ले सहित सभी संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बालिका का मोबाइल फोन भी बंद आ रहा था। शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताते हुए पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।इतिहास

विवेचना के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि बालिका जैतहरी क्षेत्र में है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल रवाना हुई और त्वरित कार्रवाई करते हुए 28 जुलाई को, प्रकरण दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर, बालिका को सकुशल दस्तयाब कर लिया। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया।भौगोलिक संदर्भ इस कार्रवाई का नेतृत्व थाना प्रभारी विकास सिंह ने किया। कार्रवाई में कमलेश तिवारी, प्रदीप अग्निहोत्री, आनंद बैस और लक्ष्मण डांगी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बिजुरी पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

कोतमा-निगवानी मार्ग में हुई दुर्घटना को लेकर जिला कांग्रेस ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन, दोषियों पर कठोर कार्यवाही की मांग

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

कोतमा-निगवानी मार्ग में हुई दुर्घटना को लेकर जिला कांग्रेस ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन, दोषियों पर कठोर कार्यवाही की मांग

जिला कांग्रेस कमेटी अनूपपुर अध्यक्ष गुड्डू चौहान के नेतृत्व में 29 जुलाई 2026 को कोतमा-निगवानी मार्ग पर हुई सड़क दुर्घटना के मामले में थाना प्रभारी, कोतमा को ज्ञापन सौंपकर हिट एंड रन का प्रकरण दर्ज करने तथा वाहन चालक एवं जे.एम.एस. कम्पनी के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की मांग की है।भौगोलिक संदर्भ

ज्ञापन में कहा गया है कि जे.एम.एस. कम्पनी के एक वाहन ने एक युवक को गंभीर रूप से टक्कर मार दी, जिसके बाद वाहन चालक घायल को घटनास्थल पर छोड़कर वाहन सहित फरार हो गया। कांग्रेस ने इसे स्पष्ट रूप से हिट एंड रन का मामला बताते हुए कहा कि दुर्घटना के समय वाहन में कम्पनी के जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद थे, लेकिन उन्होंने घायल को अस्पताल पहुंचाने अथवा पुलिस को सूचना देने जैसी मानवीय एवं कानूनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं किया। जिला कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित वाहन को तत्काल जप्त किया जाए, वाहन चालक के विरुद्ध हिट एंड रन सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी की जाए तथा वाहन में मौजूद जे.एम.एस. कम्पनी के जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध भी वैधानिक कार्रवाई की जाए। साथ ही घायल के समुचित उपचार की संपूर्ण व्यवस्था कम्पनी के माध्यम से तत्काल सुनिश्चित कराने एवं रिहायशी क्षेत्रों में तेज गति से चलने वाले भारी वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण एवं वैधानिक कार्रवाई करने की भी मांग की गई है।

ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि पांच दिवस के भीतर दोषियों के विरुद्ध हिट एंड रन का मामला दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस पार्टी जनहित में थाना घेराव एवं लोकतांत्रिक आंदोलन करेगी। इसके अतिरिक्त यदि जे.एम.एस. कम्पनी द्वारा घायल के उपचार की समुचित व्यवस्था नहीं की गई तो कम्पनी के विरुद्ध भी व्यापक जन आंदोलन किया जाएगा।

जिला कांग्रेस ने पुलिस प्रशासन से प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष, त्वरित एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। ज्ञापन का वाचन जिला कांग्रेस महासचिव अधिवक्ता राजेश सोनी ने किया। इस दौरान जिला कांग्रेस कोषाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजेश जैन, जिला कांग्रेस महासचिव संतोष यादव, जिला कांग्रेस सचिव रवि पांडेय, देवेंद्र गौतम, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन जिलाध्यक्ष संध्या वर्मा, सेवादल यंग ब्रिगेड जिलाध्यक्ष मो सफीर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता संतोष मिश्रा, फारूक बेग, रविन्द्र जैन सुखाड़िया, मो. बिंदाम, इमरान खान बंटी, युवा नेता रफी अहमद, कांग्रेस वन एवं पर्यावरण प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अमरेन्द्र सिंह परिहार, कांग्रेस बेरोजगार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मनोज बर्मन, पूर्व पार्षद अंकित सोनी, जिला कांग्रेस शोसल मीडिया प्रभारी धरमदास, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष मो नदीम, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष शिवम सराफ, अधिवक्ता शिव बर्मन, जीवन चौधरी, युवा नेता सुमित सोनी, जय प्रकाश पांडेय, सनिल जैन, मो. एहतेमाम, सुमित सोनी, जय प्रकाश पांडेय, सनिल जैन, मो. एहतेमाम, लोकेश वर्मा, मो अल्ताफ, रवि दिनकर सहित अन्य कांग्रेस, पदाधिकारी, कार्यकर्ता व आमजन उपस्थित रहें।

अमरकंटक के सोनमुड़ा में टूटी रेलिंग,उखड़ी टाइल्स और जर्जर सुविधाओं से बढ़ा हादसे का खतरा

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अमरकंटक ङ्क मां नर्मदा की उद्गम स्थली पवित्र नगरी अमरकंटक विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी प्रमुख पर्यटन स्थल सोनमुड़ा इन दिनों बदहाल व्यवस्थाये और जर्जर होती जा रही । असुविधाओं के कारण चर्चा का विषय बना हुआ है । करोड़ों रुपये की लागत से प्रसाद योजना के अंतर्गत विकसित किए गए इस महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल पर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और रखरखाव व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं ।

सोनमुड़ा पहुंचने वाले मार्ग की सीढ़ियों के दोनों ओर लगी लोहे की सुरक्षा रेलिंग कई स्थानों पर टूटकर जमीन पर पड़ी हुई है जबकि कुछ हिस्सों से रेलिंग पूरी तरह गायब हो चुकी है । ऐसे में यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है । वर्षभर प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक सोनमुड़ा पहुंचते हैं । वर्तमान स्थिति में सीढ़ियों के किनारों पर सुरक्षा रेलिंग का अभाव किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकता है ।

वहीं कई स्थानों पर सीढ़ियों की टाइल्स उखड़कर बिखर गई हैं, जिससे पैदल चलने वाले लोगों के फिसलने और चोटिल होने की आशंका बनी रहती है । अमरकंटक में इन दिनों लगातार हो रही वर्षा के कारण फिसलन और अधिक बढ़ गई है, जिससे दुर्घटना की संभावना भी बढ़ गई है ।

इतना ही नहीं , लाखों रुपये की लागत से निर्मित कैंटीलीवर (दर्शक मंच) के समीप लगाई गई स्टील की सुरक्षा ग्रिल भी कई जगह से उखड़ चुकी है और धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त होती जा रही है । यह स्थिति न केवल निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगाती है बल्कि संबंधित विभागों की रखरखाव व्यवस्था की भी पोल खोलती नजर आती है ।सोनमुड़ा के सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से लगाए गए नाइट लाइट के खंभे भी कई स्थानों पर उखड़कर इधर-उधर पड़े हुए हैं । लंबे समय से उनकी मरम्मत नहीं होने के कारण पूरा परिसर अपनी आकर्षक छवि खोता जा रहा है । स्थानीय नागरिकों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च कर विकसित किए गए इस पर्यटन स्थल की समय पर देखरेख नहीं होने से सुविधाएं तेजी से जर्जर होती जा रही हैं ।

स्थानीय नागरिकों , श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों ने जिला प्रशासन तथा संबंधित विभागों से मांग की है कि सोनमुड़ा पर्यटन स्थल का तत्काल निरीक्षण कराया जाए और क्षतिग्रस्त रेलिंग , उखड़ी टाइल्स , टूटी सुरक्षा ग्रिल तथा खराब प्रकाश व्यवस्था की शीघ्र मरम्मत कराई जाए । साथ ही प्रसाद योजना के अंतर्गत कराए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की तकनीकी जांच कराकर यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित एजेंसी एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ।

दक्षिण-एशियाई और प्रवासी लंबी दूरी के लिए बस और रेल की सेवाएं बिलासपुर , इंदौर , दिल्ली से आए पर्यटकों का कहना है कि अमरकंटक जैसे अंतरराष्ट्रीय पहचान वाले पर्यटन एवं धार्मिक स्थल की सुविधाओं का बेहतर रखरखाव न केवल श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक है बल्कि क्षेत्र की पर्यटन छवि बनाए रखने के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है ।

घर पर सो रहे अधेड़ को सांप ने काटा, हुई मौत, 69 लीटर अवैध शराब जप्त

अनूपपुर/उमरिया/कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत पतला गांव में बीती रात जमीन में सो रहे अधेड की करैत प्रजाति के अत्यंत जहरीले सर्प के काटने से मौत होने की सूचना पर कोतवाली पुलिस द्वारा कार्यवाही की जा रही है। जिला मुख्यालय से 12 किलोमीटर दूर स्थित पसला गांव के प्राथमिक विद्यालय के पास निवासरत 46 वर्षीय शंकर प्रसाद कोल पिता छोटू कोल रात में खाने के बाद अपने घर पर अकेले जमीन पर सो रहे थे, देर तक सोये रहने पर मां गुजरिया बाई ने नाती कमलेश प्रसाद कोल को बुलाया अन्य सभी के आने देखने पर वह कुछ बोल नहीं रहा था, कुछ इलाज की व्यवस्था कर पाते शकंर की मौत हो गई, घर में खोजबीन दौरान अत्यंत जहरीला करैत प्रजाति का दो से तीन फीट लंबा सांप बिस्तर के पास ही बेहोश स्थिति में देखा गया, मृतक शंकर प्रसाद कोल के बाए कंधे में सर्प ने काटने का निशान पाया गया। सूचना कोतवाली अनूपपुर घटना स्थल पर पहुंचकर घटना की जांच प्रारंभ करते हुए मृतक के शव को जिला चिकित्सालय अनूपपुर भेज कर ड्यूटी डाक्टर से पीएम कराकर शव परिजनों को सौप दिया।

69 लीटर अवैध शराब जप्त

उमरिया पुलिस द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 02 आरोपियों के कब्जे से 60 लीटर महुआ शराब , 9.9 लीटर देशी व अग्रेंजी शराब जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना मे लिया गया है । थाना कोतवाली पुलिस द्वारा मुखबिर की प्राप्त सूचना पर ग्राम चेतगंज मे मनु ढाबा के पास राजकुमार सिंह

बघेल के टपरे पर रेड कार्यवाही की गई, कार्यवाही के दौरान टपरे से कुल 60 लीटर हाथ भट्ठी निर्मित कच्ची महुआ शराब, 9.9 लीटर देशी व अंग्रेजी शराब कुल 69.90 लीटर अवैध शराब कीमती 10,450/- रुपये बरामद की गई । आरोपी से की गई पूछताछ पर पता चला कि उक्त शराब प्रियांशु सिंह निवासी निगहरी द्वारा बिक्री हेतु आरोपी को उपलब्ध कराई गई। आरोपी से शराब के संबंध मे दस्तावेज मांगने पर कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नही किया गया, जिस पर आरोपी के कब्जे से सम्पूर्ण शराब जप्त की जाकर आरोपी राजकुमार सिंह बघेल एवं प्रियांशू सिंह के विरूद्ध थाना कोतवाली मे अपराध क्रं. 396/26 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना मे लिया गया ।

गुरु पूर्णिमा पर कनिष्ठ अधिवक्ताओं ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं का किया सम्मान

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा/ गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर अधिवक्ता अभिभाषक संघ, उदयपुरा में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कनिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपने वरिष्ठ अधिवक्ताओं का पुष्पमाला एवं शॉल भेंट कर सम्मान किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए युवा अधिवक्ताओं को न्याय, सत्यनिष्ठा, नैतिकता एवं अधिवक्ता धर्म का पालन करने का संदेश दिया। कनिष्ठ अधिवक्ताओं ने वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन को अपने व्यावसायिक जीवन की अमूल्य धरोहर बताते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर एड. रामेश्वर रघु, एड. डी. एस. शर्मा, एड. पुरुषोत्तम राजपूत, एड. रामकुमार नायक, एड. बोलेंद्र गिरी, एड. जगदीश लोधी, एड. नईम खान, एड. सज्जन सिंह कौरव, एड. मिथलेश मेहरा, एड. पुरुषोत्तम लोधी, एड. चंद्रशेखर रघु, एड. राजेंद्र रघु, एड. राजीव रघु, एड. मंजीत रघु, एड. कविता रजक एवं एड. अजय मिरोठिया सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

नाले के पास मिला युवक का संदिग्ध शव, गले और छाती पर मिले गंभीर चोट के निशान

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर।

अनूपपुर जिले से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सोन मौहरी गांव में बुधवार और गुरुवार की मध्यरात्रि एक 36 वर्षीय युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतक की पहचान अशोक सिंह गोंड के रूप में हुई है, जिसका शव गांव के ही एक नाले के समीप पड़ा हुआ मिला। घटना की सूचना आधी रात करीब 12 बजे पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने 108 एंबुलेंस की मदद से युवक को तुरंत जिला अस्पताल भिजवाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग दर्ज कर मामले की बारीकी से जांच शुरू कर दी है।

जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ. प्रवीण शर्मा ने इस मामले में अहम जानकारी देते हुए बताया कि मृतक के शरीर पर, विशेषकर गले और छाती पर, गंभीर चोटों के निशान स्पष्ट रूप से देखे गए हैं। इसके अतिरिक्त उसके फेफड़ों में भी गहरे जख्म पाए गए हैं, जो घटना को और भी संदिग्ध बनाते हैं। अस्पताल सहायता केंद्र से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने पंचनामा की कागजी कार्रवाई पूरी की और परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव उन्हें अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया।

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों ने बताया कि अशोक को शराब पीने की बुरी लत थी। मामले की जानकारी देते हुए चौकी प्रभारी आरक्षक कमलेश प्रसाद ने परिजनों के हवाले से बताया कि बुधवार रात लगभग 9ः30 बजे वह अपने घर से निकलकर करीब एक किलोमीटर दूर स्थित किसी दूसरे मोहल्ले में गया हुआ था। देर रात कुछ स्थानीय ग्रामीणों ने उसे नाले के पास बेसुध हालत में देखा और इसकी सूचना उसके परिवार वालों को दी थी। पुलिस अब इस पूरी गुत्थी को सुलझाने में जुट गई है कि आखिर युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई और उसके शरीर पर यह घातक चोटें कैसे आई।

अमरकंटक में बड़े धूमधाम से मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

गुरुदेव के चरणों में श्रद्धा का समर्पण,वैदिक मंत्रोच्चार,भक्ति भाव से हुआ गुरुपूज

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अमरकंटक - मां नर्मदा की उद्गम स्थली / पवित्र नगरी अमरकंटक में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा , भक्ति और उत्साह के साथ बड़े धूमधाम से मनाया गया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़ी संख्या में शिष्य , श्रद्धालु , संत-महात्मा एवं भक्तजन अमरकंटक पहुंचे और अपने-अपने गुरुओं का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया । गुरु पूर्णिमा के अवसर पर नगर के विभिन्न आश्रमों , मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए । भजन-कीर्तन , सत्संग , श्रीमद्भागवत कथा , सुंदरकांड पाठ , गुरु पूजन तथा महाप्रसाद वितरण जैसे आयोजनों में शिष्यों , श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । अमरकंटक के पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा और गुरु महिमा के जयघोष गूंजते रहे ।

परम तपस्वी वीतराग बाबा कल्याण दास जी महाराज के सान्निध्य में श्री कल्याण सेवा आश्रम में संत शिष्यों ने गुरु पूजन किया । शिष्यों , भक्तों ने भी गुरुपूजन बाद भव्य नगर भंडारे का आयोजन किया गया । पूजन-अर्चन के पश्चात संतों , ब्राह्मणों , शिष्यों , भक्तों तथा कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रसाद ग्रहण किया वहीं शांति कुटी आश्रम में स्वामी रामभूषण दास जी के मार्गदर्शन में सप्ताहभर चली श्रीमद्भागवत कथा एवं सुंदरकांड पाठ का समापन हुआ । गुरु चरण पादुका पूजन के उपरांत शिष्यों ने अपने गुरुदेव का विधिवत पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया । इसके बाद आयोजित नगर भंडारे में कन्या , संत , ब्राह्मण , शिष्य , भक्त , जवाहर नवोदय विद्यालय , सरस्वती शिशु मंदिर के भैया बहने एवं आचार्यगण शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया । इसके अतिरिक्त मार्कण्डेय आश्रम के आचार्य स्वामी श्रीरामकृष्णानंद जी महाराज , गीता स्वाध्याय मंदिर के महंत स्वामी नर्मदानंद गिरी जी महाराज , श्रीपरमहंस धारकुंडी आश्रम के स्वामी लवलीन महाराज , दुर्गा मंदिर ज्वालेश्वर धाम के स्वामी जी , कामदगिरि आश्रम सहित अनेक आश्रमों एवं मंदिरों में श्रद्धापूर्वक गुरु पूजन संपन्न हुआ । शिष्यों ने अपने गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त कर सुख , शांति , उत्तम स्वास्थ्य एवं परिवार की समृद्धि की कामना की । गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं की उपस्थिति से अमरकंटक का धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण और अधिक सजीव हो उठा । श्रद्धा , आस्था और भक्ति से परिपूर्ण इस महोत्सव ने अमरकंटक की आध्यात्मिक गरिमा को एक बार फिर उजागर किया । अमरकंटक में हो रही रिमझिम वर्षा भी गुरु-शिष्यों के पावन मिलन और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था को डिगा नही सकी

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, शहडोल ने अमझोर विद्यालय में किया वृक्षारोपण एवं जनजागरुकता कार्यक्रम , पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल/अमझोर - पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भारत के निर्माण के संकल्प को सशक्त करने के उद्देश्य से अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, शहडोल द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अमझोर परिसर में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण कर प्रकृति संरक्षण तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तहसीलदार श्री एस.के. सिंह जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वृक्षारोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि प्रकृति, समाज और भावी पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व है। यदि प्रत्येक नागरिक प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक व्यापक जनआंदोलन खड़ा किया जा सकता है, विशिष्ट अतिथि श्री जीवन सिंह, उप निरीक्षक ने अपने उद्बोधन में मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा पूरे प्रदेश में आयोजित ÷नशे से दूरी है जरूरी÷ अभियान के विषय पर अपना व्यक्तित्व रखा तथा जिला सहसचिव श्री अमन तिवारी ने ग्राहक अधिकार के विषय पर विद्यार्थियों को उद्बोधन दिया। इस अवसर पर समाजसेवी एवं मंडल अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता जी,विद्यालय के प्राचार्य श्री एन.के. खंडेलवाल जी, कैलाश अहिरवार - वरदान फाउंडेशन (प्रदेश अध्यक्ष), विद्यालय के शिक्षकगण, छात्र-छात्राओं एवं ग्राहक पंचायत के कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण किया तथा पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थितजनों ने पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

यह जानकारी अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, तहसील संयोजक श्री अनुराग यादव द्वारा प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

पुलिस थाना के सामने सड़क पर जानलेवा गड्ढे, लॉरेंस साइन स्कूल के पास हादसे का इंतजार

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

बारिश में कीचड़ से भरे गड्ढे, स्कूली बच्चों और पुलिस कर्मियों को भी हो रही परेशानी जयसिंहनगर। नगर की सुरक्षा और शिक्षा के दो महत्वपूर्ण केंद्रों के सामने ही सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है। पुलिस थाना और उसके ठीक सामने स्थित लॉरेन साइन विद्यालय के सामने सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जो बरसात में कीचड़ और पानी से भर गए हैं। हादसे का बना है अड्डा फोटो में साफ देखा जा सकता है कि मुख्य मार्ग पर गहरे गड्ढे हैं। इनमें पानी और कीचड़ भरा होने के कारण वाहन चालकों को अंदाजा नहीं लग पाता और दुर्घटना की संभावना बढ़ गई है। स्कूल खुलने और बंद होने के समय यहां सैकड़ों बच्चों का आना-जाना रहता है। दोपहिया पर पालक और बच्चे इसी कीचड़ से होकर गुजरने को मजबूर हैं। वहीं थाना होने के कारण पुलिस वाहनों और आम जनता को भी इसी बदहाल सड़क से गुजरना पड़ रहा है। जिम्मेदार मौन नगरवासियों का कहना है कि थाना और स्कूल जैसे संवेदनशील स्थानों के सामने सड़क की यह हालत शर्मनाक है। हर साल बजट के बाद भी मरम्मत नहीं होती। बारिश में गिरकर चोटिल होने की घटनाएं आम हो गई हैं। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि स्कूल खुलने से पहले इस सड़क की तत्काल मरम्मत कराई जाए।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर मंगल मैत्री बौद्ध विहार में धूमधाम से मनाया गया धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस

भोपाल।

अतर सिंह भारतीय, प्रदेश ब्यूरो। नवीन छावनी पठार, रायसेन रोड, भोपाल स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर मंगल मैत्री बौद्ध विहार एवं मॉनेस्ट्री केंद्र में बुधवार को धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया तथा पूज्य भंते जगदीश आनंद (आंबेडकरवादी) जी का वर्षावास प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ बुद्ध वंदना, त्रिशरण एवं पंचशील ग्रहण के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित भिक्षुओं एवं वक्ताओं ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में बोधिसत्व बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी द्वारा लाखों अनुयायियों के साथ बौद्ध धम्म स्वीकार करने के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब ने हमें समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय का संदेश दिया। उनके ÷शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो÷ का नारा आज भी प्रासंगिक है। कार्यक्रम

में ÷बुद्ध और उनका धम्म÷ का आंशिक वाचन भी किया गया। इस अवसर पर विहार परिसर को बौद्ध ध्वजाओं एवं फूलों से सजाया गया था। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपासकों के लिए खीर, फल और प्रसादी का वितरण अहिरवार समाज संघ मध्य प्रदेश द्वारा किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से पधारे पूज्य भंते जे. एस. रत्न (से.नि. एडीजीसी) संस्थापक अखिल भारतीय मंगल मैत्री महासंघ, राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्य भंते जगदीश आनंद जी, अहिरवार समाज संघ मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्रद्धेय राजेश कुमार अहिरवार, डॉ एम एल अहिरवार, इंजीनियर एच डी अहिरवार, विनोद कुमार, मंजू दीपांकर, भगीरथ प्रसाद, सुरेश बौद्ध, संकल्प बौद्ध, मजबूत बौद्ध, अतर सिंह भारतीय प्रदेश प्रवक्ता अहिरवार समाज संघ मध्य प्रदेश सहित बड़ी संख्या में सामाजिक और धार्मिक कार्यकर्ताओं में महिला, पुरुष एवं बच्चे उपस्थित रहे। डॉ भीमराव अम्बेडकर समिति छावनी पठार की ओर से हीरा लाल अहिरवार ने उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम में गुरु पूर्णिमा उत्साहपूर्वक मनाई गई

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।।

शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम में प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज तथा विभागाध्यक्ष शिवाकांत मौर्या के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त प्राध्यापक श्रीमती शशि यादव ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में वेदों एवं भारतीय संस्कृति में गुरु के सर्वोच्च स्थान का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने संत कबीर के प्रसिद्ध दोहे ÷गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय; बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय÷ का उल्लेख करते हुए गुरु की महत्ता का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने कहा कि गुरु के मार्गदर्शन से ही व्यक्ति ज्ञान, संस्कार और जीवन के वास्तविक

उद्देश्य को प्राप्त कर सकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में विभागाध्यक्ष शिवाकांत मौर्या ने गुरु के व्यक्तित्व एवं कर्तव्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक आदर्श गुरु गंभीर, धैर्यवान, अनुशासित, करुणामय एवं वंदनीय होता है। गुरु अपने आचरण और विचारों से विद्यार्थियों के जीवन का निर्माण करता है तथा उन्हें नैतिक मूल्यों एवं कर्तव्यपरायणता की ओर प्रेरित करता है। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीवन में गुरु का चयन अत्यंत सोच-समझकर करना चाहिए, क्योंकि योग्य गुरु ही व्यक्ति की प्रतिभा को सही दिशा देकर उसके व्यक्तित्व का समग्र विकास करता है। उन्होंने कहा कि गुरु केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित नहीं होता, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सही मार्गदर्शन देने वाला पथप्रदर्शक होता है। विद्यार्थियों को गुरु के प्रति श्रद्धा, अनुशासन एवं समर्पण की भावना रखते हुए उनके बताए मार्ग का अनुसरण करना चाहिए। विद्यार्थियों में से मिथलेश, रोहित नोरिया मुकेश बकोरिया आदि ने भी गुरु की महिमा के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन एलएल.एम. की छात्रा प्रार्थना गौर ने प्रभावी एवं गरिमामय ढंग से किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

श्रावण मास के प्रथम दिवस अमरकंटक पहुंचे नवागत कलेक्टर रत्नाकर झा , मां नर्मदा का लिया आशीर्वाद

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

मां नर्मदा की उद्गम स्थली / पवित्र नगरी अमरकंटक में श्रावण मास के प्रथम दिवस नवागत कलेक्टर श्री रत्नाकर झा का आगमन हुआ । अमरकंटक पहुंचकर उन्होंने मां नर्मदा मंदिर में विधिवत पूजन-अर्चन किया तथा उद्गम स्थल पर दर्शन कर प्रदेश एवं जिले की सुख-समृद्धि की कामना की । इस अवसर पर नर्मदा मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित कामता प्रसाद द्विवेदी , रूपेश द्विवेदी (बबलू) , धर्मेंद्र द्विवेदी (पप्पू महाराज) एवं कर्मचारी सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे । पूजन-अर्चन के पश्चात कलेक्टर श्री झा ने शासकीय उद्यानिकी परिसर का निरीक्षण किया । उन्होंने वहां संचालित गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी कर्मचारियों से प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । निरीक्षण के बाद कलेक्टर श्री झा अमरकंटक से अपने आगामी प्रवास हेतु प्रस्थान कर गए । श्रावण मास के प्रथम दिवस नवागत कलेक्टर के अमरकंटक आगमन को स्थानीय नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने विशेष महत्व का अवसर माना ।

कारगिल दिवस पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय दिनांक 25 /7 /2026 को कारगिल दिवस पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर रामकुमार चौकसे जी ने विजय दिवस पर शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि देकर देश की रक्षा करने की प्रेरणा दी, डॉक्टर इरा वर्मा कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय वीर सैनिकों के साहस बलिदान और समर्पण को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है डाक्टर मालती पटेल ने कारगिल विजय से प्रेरणा लेकर देश रक्षा के लिए अपनी जान न्योछावर करने की प्रेरणा दी इस अवसर पर डॉ योगेश खंडेलवाल डॉक्टर केशव मिश्र डाक्टर रीना सक्सेना और अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी का प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

रायसेन। भीम आर्मी एकता मिशन एवं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के बैनर तले शनिवार, 25 जुलाई 2026 को जिला मुख्यालय रायसेन में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग तथा जंतर-मंतर पर छात्रों के साथ हुई कथित लाठीचार्ज की घटना के विरोध में शांतिपूर्ण रैली एवं धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन के उपरांत कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति महोदया के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की तथा छात्रों पर हुई कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की मांग उठाई। इस दौरान भीम आर्मी एकता मिशन एवं आजाद समाज पार्टी के रायसेन जिले के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन करते हुए संगठन की एकता और अनुशासन का परिचय दिया।

कार्यक्रम में भीम आर्मी जिला संयोजक राकेश अंबेडकर तथा आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिला अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र अहिरवार ने प्रमुख भूमिका निभाई। उनके साथ संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।

शासकीय महाविद्यालय खिमलासा में गुरु पूर्णिमा का आयोजन, गुरु की महत्ता पर दिया गया प्रेरक उद्बोधन

खिमलासा । बीना।

शासकीय महाविद्यालय खिमलासा में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के अंतर्गत गुरु पूर्णिमा का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री सत्येन्द्र कुमार आठिया ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जीवन में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु के मार्गदर्शन से ही व्यक्ति ज्ञान, संस्कार और सफलता के पथ पर अग्रसर होता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. वी.के. अग्निहोत्री ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने गुरु का सदैव स्मरण करना चाहिए तथा उनके बताए मार्ग पर चलकर जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और श्रेष्ठ संस्कारों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। डॉ. एल.एन. दुबे, प्रभारी स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ ने कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की सही दिशा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने जीवन के प्रेरणास्रोत गुरुओं को पहचानने एवं उनके आदर्शों का अनुसरण करने का

संदेश दिया। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी डॉ. अशोक कुमार यादव ने कहा कि गुरु केवल पढ़ाता नहीं, वह सोचने और जीने का संस्कार भी देता है। इसीलिए हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु को ईश्वर तुल्य माना गया है। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. शुभी जैन ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. किरण जैन ने किया। इस अवसर पर चंद्रभान साकेत, डॉ. रुपाली जैन, डॉ. वंदना मीणा, डॉ. शाहबाज सुत्री, डॉ. रफी अहमद, पुष्पेंद्र अहिरवार, दिनेंद्र विक्रम, शुभम विश्वकर्मा, रवि शंकर कुशवाहा, रोशन अहिरवार सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग मध्य प्रदेश के अध्यक्ष माननीय कैलाश जाटव जी द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के सामाजिक पदाधिकारी बुद्धिजीवियों से बाल भवन ग्वालियर में संवाद कार्यक्रम में उपस्थित होने का मौका मिला

संबाद में मैंने निम्न बिंदु रखें -

1 - वर्ष 2016 में मध्य प्रदेश शासन ने बंद किया अनुसूचित जाति विभाग के कन्या और बालक आश्रमों को इसी सत्र से चालू किया जाए

2 - आदिम जाति कल्याण विभाग में जिला संयोजक से लेकर प्रमुख सचिव तक के अधिकारी अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग पदस्थ होना चाहिए

3 - प्रदेश के अनुसूचित जाति जनजाति थाना में कांस्टेबल से लेकर आई जी तक के अधिकारी इन्हीं वर्गों के होना चाहिए

4 - प्रदेश में तथा जिला ग्वालियर में मध्य प्रदेश शासन द्वारा इन वर्गों के कार्यक्रमों के लिए मंगल भवन तथा डॉक्टर अंबेडकर भवन बनाए हैं उनको शासकीय कार्यालय से खाली कराकर इन वर्गों के कार्यक्रमों के लिए कब्ज़ा हटाए

5 - अशासकी कॉलेजों के माध्यम से अरबों रुपए की छात्रवृत्ति का घोटाला हो रहा है और गलत तरीके से आवासीय भत्ता में भ्रष्टाचार हो रहा है इसे बंद किया जाए इसकी जांच की जाए वर्ष 2009 से

6 - आयोग अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित है विभाग के जिला संयोजक सहायकों की कई गंभीर शिकायतें हैं कई शिकायतों में दोषी है जांच कमेटियों ने जांच की है तथा कई लंबित है ऐसे अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभाग की जांच संस्थापित करने का प्रस्ताव शासन को भेजा जाए

7 - अनुसूचित जाति जनजाति कार्य विभाग का नाम बदलकर आदिम जाति कल्याण विभाग किया जाए

8 - मध्य प्रदेश शासन के स्पष्ट नियम है कि अनुसूचित जाति जनजाति की अधिकारी कर्मचारियों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव न किया जाए महत्वपूर्ण शाखों का परिवार दिया जाए महत्वपूर्ण पदों पर रखा जाए इन नियमों का पालन कराया जाए शहर से ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ नहीं किया जाए स्थानांतरण न किया जाए माननीय मेरे द्वारा जो बिंदु आपके समक्ष रखे गए हैं उन पर शासन स्तर से आयोग कार्रवाई करने की कृपा करें ।

डॉ जवर सिंह अग्र
*फाउंडर डायरेक्टर × चेयरमेन
मिशन मिडवे मूवमेंट
संस्थापक संरक्षक
दलित आदिवासी महापंचायत मध्य प्रदेश (दाम)
*संस्थापक प्रांत अध्यक्ष
आरक्षित वर्ग अधिकारी कर्मचारी संघ मध्य प्रदेश(अवाक्स)
*संस्थापक प्रांत अध्यक्ष
आदिम जाति कल्याण विभाग छात्रावास आश्रम शिक्षक अधीक्षक संघ मध्य प्रदेश (कसस)
मोवा 9425116022
9399227077

मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने जिले को दी 193 करोड़ की विकास सौगात

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

निवाड़ी :- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव निवाड़ी ने जिले को लगभग 193 करोड़ रुपये की लागत के 59 विकास कार्यों की सौगात देते हुए संयुक्त नवीन कलेक्ट्रेट भवन एवं जिला चिकित्सालय का लोकार्पण किया है तथा विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय खेल मैदान में आयोजित विशाल जनसभा में मुख्यमंत्री श्री यादव ने जिले के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं जिनमें निवाड़ी में विधि महाविद्यालय एवं एमबीए कॉलेज की स्थापना की घोषणा सबसे अधिक चर्चा का विषय रही है मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में निवाड़ी को मध्यप्रदेश की अयोध्या बताते हुए कहा कि ओरछा भगवान श्रीराम की नगरी होने के साथ-साथ प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, अधोसंरचना और जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है तथा प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए संकल्पित है। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने, महिलाओं के सशक्तिकरण और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई है इस अवसर पर विधायक अनिल जैन ने अपने संबोधन में कहा कि :मेरा भतीजा युवा नेतृत्व एवं अधिवक्ता विवेक भास्कर लंबे समय से निवाड़ी जिले में विधि महाविद्यालय की स्थापना की मांग कर रहे है जिन्होंने छात्र छात्राओं के हित में उठाई गई इस मांग को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वीकार करते हुएनिवाड़ी में विधि महाविद्यालय एवं एमबीए कॉलेज खोले जाने की घोषणा की है । विधायक श्री अनिल जैन जी के प्रयास की सर्वत्र सराहना हो रही है क्षेत्रीय विधायक श्री जैन ने इस

क्षेत्र के सर्वांगीण विकास प्रगति के लिये अनेक मांगो को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा है जो मुख्यमंत्री जी ने स्वीकार कर ली है तथा शीघ्र ही सभी घोषणाओं पर अमल किया जायेगा । गौरतलब है कि अधिवक्ता विवेक भास्कर पिछले कई वर्षो से निवाड़ी जिले में विधि महाविद्यालय की स्थापना को लेकर लगातार सक्रिय रहे हैं उन्होंने समय-समय पर मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन को ज्ञापन सौंपने के साथ जनसमर्थन अभियान भी चलाया था। जिले के विद्यार्थियों को विधि शिक्षा के लिए बाहर जाने की मजबूरी समाप्त करने की मांग लगातार उठाई जा रही थी। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अधिवक्ता विवेक भास्कर ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा विधायक अनिल जैन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय जिले के हजारों विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि विधि महाविद्यालय की स्थापना से अब विद्यार्थियों को उच्च विधि शिक्षा के लिए दूसरे जिलों का रुख नहीं करना पड़ेगा तथा निवाड़ी शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित करेगा कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, राज्यसभा सांसद महेश केवट, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

नशे के विरुद्ध सिर्फ भाषण नहीं, संवाद बना अभियान; पोस्टरों, सवालों और संकल्पों के बीच युवाओं ने चुनी जागरूकता की राह

शमशाबाद।

नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून की नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और सामूहिक जिम्मेदारी की भी है। इसी सोच को केंद्र में रखकर शासकीय महाविद्यालय, शमशाबाद में गुरुवार को %नशा मुक्ति अभियान 2.0% के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) श्री अमरेश बोहरे एवं थाना प्रभारी श्री आशुतोष सिंह ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए नशे के दुष्परिणामों, कानून के प्रति जागरूकता तथा जिम्मेदार नागरिक के दायित्वों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभात कुमार पांडे ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। तत्पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

अपने स्वागत उद्बोधन में डॉ. प्रभात कुमार पांडे ने कहा कि महाविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के निर्माण का भी माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर अपने व्यक्तित्व और भविष्य को सशक्त बनाने का आह्वान किया।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं पूर्व प्राचार्य डॉ. सिद्धार्थ गौतम ने युवाओं से अनुशासित जीवन, खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों को अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ विचार ही नशामुक्त समाज की आधारशिला हैं। अपने उद्बोधन में एसडीओपी श्री अमरेश बोहरे ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्तिगत बुराई नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में बाधा बनने वाली गंभीर सामाजिक चुनौती है। वहीं थाना प्रभारी श्री आशुतोष सिंह ने साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग तथा कानून संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा करते हुए विद्यार्थियों को जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए नशामुक्ति विषयक पोस्टर रहे। इन पोस्टरों ने रंगों और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से नशे के विरुद्ध सशक्त संदेश दिया। विद्यार्थियों ने अधिकारियों से विभिन्न प्रश्न भी पूछे, जिनका उन्होंने व्यवहारिक उदाहरणों के साथ समाधान प्रस्तुत किया। अंत में सभी उपस्थितजनों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेते हुए नशा मुक्ति की शपथ ग्रहण की।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक श्री संजय धाकड़ ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं पूर्व प्राचार्य डॉ. सिद्धार्थ गौतम, सहायक प्राध्यापक श्री शिवम कबीर, महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, क्रीड़ा अधिकारी, समस्त कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय उदयपुरा में गरिमापूर्ण माहौल में मनाया गया गुरु पूर्णिमा महर्षि सान्दीपनि पर्व

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा /रायसेन। आज दिनांक 29 जुलाई 2026 को स्थानीय शासकीय महाविद्यालय उदयपुरा (जिला-रायसेन, म.प्र.) के प्रांगण में अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमामयी वातावरण के बीच ÷गुरु पूर्णिमा महर्षि सान्दीपनि गुरु पर्व÷ का भव्य आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री पंकज आर्य ने उपस्थित जनसमूह को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने गुरु परंपरा के गौरवशाली इतिहास को रेखांकित करते हुए हमारे जीवन में गुरु के महत्व और उनकी भूमिका पर विशेष प्रकाश

डाला। उन्होंने कहा कि गुरु ही वह माध्यम है जो शिष्य को अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर अग्रसर करता है। अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापक कु. काव्या सिंह ने अपने उद्बोधन में गुरु के महत्व को एक सच्चे मार्गदर्शक के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि एक गुरु विद्यार्थी के जीवन को सही दिशा देकर उसकी अंतर्निहित क्षमताओं को जागृत करता है। इसके पश्चात श्री प्रतीक लोधी ने विद्यार्थियों को ऐतिहासिक व पौराणिक संदर्भों की जानकारी देते हुए गुरु पूर्णिमा के प्रारंभ की पृष्ठभूमि एवं महर्षि सांदीपनि पर्व के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में गुरुओं का सर्वोच्च सम्मान करें, उनके दिखाए मार्ग पर चलें और सदैव उनका स्मरण व आदर करें।

गरिमामयी उपस्थिति- इस गौरवपूर्ण अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री पंकज आर्य, सहायक प्राध्यापक (अंग्रेजी) कु. काव्या सिंह, डॉ. पार्वती व्याघ्रे, डॉ. गौरव डेरिया, श्री प्रतीक लोधी एवं श्री संदीप भारके सहित समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राएं मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सतगुरु रविदास चरण छू जनसेवा आश्रम रेलवे कोच फैक्ट्री, भोपाल. गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ

समस्त आयोजन टीम एवं माधव भैया का हृदय की गहराइयों से कोटि-कोटि धन्यवाद आभार आप लोगों ने मुझे बुलाया और इतना सम्मान दिया।
पूजनीय राधाकृष्ण दास महाराज
पूर्व टी चौधरी अमन सिंह नरवरिया जी संस्थापक अहिरवार समाज संघ मध्य प्रदेश
पूर्व डीएसपी नेपाल सिंह दामले जी अहिरवार समाज मध्य प्रदेश के प्रवक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष रविदासिया धर्म संगठन के प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय बड़े भाई माधव सिंह अहिरवार जी महिला प्रदेश अध्यक्ष संगीता गोलियां जीअहिरवार समाज मध्य प्रदेश के मीडिया प्रभारी एसएल वर्मा जी भाई मनीष गोलियां आई टी सेल प्रभारी एवं दूरदर्शन टीम के साथ आए पूरन लाल अहिरवार जी भाई गोविंद कहारे जी आदरणीय शंकर लाल जाटव जी जिंसी रविदास मंदिर के अध्यक्ष आदरणीय बड़े भाई सीताराम अहिरवार जी
एवं समस्त आयोजन टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं सफल आयोजन की
आज कोच फैक्ट्री के गेट नंबर 1अंदर गुरू रविदास जी की प्रतिमा का अनावरण किया गया ।
श्रृद्धालु माता बहिनों ने अपने अपने घरों से प्रसाद ला दीपक प्रज्वलित कर अर्पित कर आरती की प्रकृति में विलीन हुए श्री श्री 1008 सुखदेव बाघमारे महाराज जी राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को श्रृद्धांजलि अर्पित की सभी ने भोजन प्रसादी लंगर में प्राप्त की।
सोकडो की संख्या में महिलाओं पुरुषों की उपस्थिति रही गुरू जी राधाकिशन दास जी ने अमृत वाणी सुनाई आशीर्वाद दिया। कुशल संचालन माधवसिंह अहिरवार जी ने किया।

बुद्धभूमि महाविहार में श्रद्धा एवं समर्पण के साथ सम्पन्न हुआ धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस एवं वर्षावास प्रारम्भ समारोह

भोपाल, 29 जुलाई 2026।

आषाढ़ पूर्णिमा के पावन अवसर पर दी बुद्धभूमि धम्मदूत संघ, भोपाल द्वारा आयोजित धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस एवं वर्षावास प्रारम्भ समारोह आज बुद्धभूमि महाविहार, चुनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल में अत्यंत, उल्लास, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

समारोह का आयोजन परम पूज्य भदंत शाक्यपुत्र सागर थेरो,वरिष्ठ धर्मगुरु के पावन मार्गदर्शन एवं सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर भदंत ज्ञानोदय, भदंत धम्मानंद, भदंत राहुलपुत्र, भदंत राजरत्न एवं भंते संघरत्न ने विधिवत वर्षावास अधिष्ठान ग्रहण कर तीन माह के वर्षावास का शुभारम्भ किया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ बुद्ध वंदना, त्रिशरण एवं पंचशील ग्रहण तथा वर्षावास अधिष्ठान से हुआ। तत्पश्चात श्रद्धालु उपासक-उपासिकाओं को अष्टशील उपोसथ व्रत प्रदान किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भिक्षु संघ को संघदान (भोजन दान) अर्पित कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इसके

उपरांत पवित्र परित्राण पाठ, सामूहिक विपश्यना ध्यान, धम्मदेशना एवं प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने धम्म के गूढ़ सिद्धांतों का लाभ प्राप्त किया।

अपने आशीर्वचन में परम पूज्य भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो ने कहा कि धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस केवल ऐतिहासिक स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि मानवता के लिए करुणा, प्रज्ञा, मैत्री और सम्यक जीवन का संदेश देने वाला प्रेरणादायी पर्व है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से वर्षावास के तीन माह में पंचशील का पालन, नियमित विपश्यना ध्यान, धम्म अध्ययन तथा समाज में मैत्री और सद्भाव के प्रसार का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपासक-उपासिकाओं एवं धम्मप्रेमियों ने सहभागिता की। श्रद्धालु परिवार अपने घरों से भिक्षु संघ के लिए भोजन लेकर पहुँचे और संघदान की प्राचीन बौद्ध परम्परा का पालन करते हुए पुण्य अर्जित किया। पूरे महाविहार परिसर में श्रद्धा, अनुशासन एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण बना रहा।

समारोह के सफल आयोजन के लिए मैत्रीय बुद्ध महाविहार उपासिका संघ एवं बुद्धभूमि महाविहार उपासक संघ सहित सभी स्वयंसेवकों एवं श्रद्धालुओं के प्रति आयोजकों ने आभार व्यक्त किया।

गुरु पूर्णिमा पर अधीक्षक बैजनाथ इमने ने विद्यार्थियों को दिया प्रेरणादायी मार्गदर्शन

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। सीनियर बालक छात्रावास उदयपुरा में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर छात्रावास अधीक्षक श्री बैजनाथ इमने एवं विद्यार्थियों के बीच प्रेरणादायी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अधीक्षक श्री इमने ने विद्यार्थियों को गुरु के महत्व, अनुशासन, संस्कार एवं जीवन में शिक्षा की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर मेहनत करने और सदैव अपने गुरुजनों का सम्मान करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा गुरुजनों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट किया। संवाद का समापन गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए किया गया। गुरु पूर्णिमा का यह आयोजन छात्रावास में सौहार्दपूर्ण एवं प्रेरणादायक वातावरण में संपन्न हुआ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)